बिहार विधान-सभा वाधवृत

मंगलवार, तिथि २६ मई, १९७०

भारत के संविधान के उपबन्धों के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा-सदन में मंगलवार तिथि २६ मई, १९७० को अपराह्न ४ बजे अध्यक्ष श्री राम नारायण मंडल के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर

अल्प सूचित प्रश्न सख्या २ के सम्बन्ध में चर्चा

श्री नीतीश्वर प्रसाद सिंह—इसके लिये समय चाहिए।

श्री बद्री सिंह—अध्यक्ष महोदय, यह सवाल तीन बार सदन के समक्ष आ चुका हैं। मैंने पहले भी अनुरोध किया था कि जानबूझ कर सवाल का जवाब नहीं आ रहा है इसलिये कि उस औफिसर ने गलत अभियोग लगा कर एक ईमादार शिक्षक को तवाह किया है। इतना ही नहीं उस औफीसर के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई अभियोग है जैसे बच्चों के बांटने के लिये दो हजार कीलो सत्तू ब्लैक-मार्केट में बेच कर उसका पैसा ले लिया और सरकारी रूपये का गवन किया हैं।

अध्यक्ष —दो बार स्थगित हो चुका है। आपने १९ तारीख को कहा था कि आज जवाब दे दिया जायगा।

श्री नीतीश्वर प्रसाद सिंह—इसके उत्तर में विलम्ब हुआ है। नीचे के अधिकारी ने उत्तर नहीं भेजा है। इसके लिये मैंने स्पेशल अधिकारी को वहां उत्तर लाने के लिये भेजा है।

श्री बद्री सिंह—मैं चुनौती देता हूं और कहना चाहता हूं कि जानबूझ कर इस सवाल पर पर्दा डालने की साजिस चल रही है। शिक्षा मंत्री इसकी जाँच कराएं लेकिन वह जाँच शिक्षा विभाग के अधिकारी द्वारा नहीं हो क्योंकि उन पर मुझे विश्वास नहीं है, दूसरे अधिकारी के द्वारा कराएं कि इतना बिलंब क्यों

निःशुल्क शिक्षा योजना

२९६। श्री राजेन्द्र नारायण शर्मा— क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह वतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह वात सही है कि सरकार ६ वर्ष की उम्र से १४ वर्ष की उम्र तक के लड़के-लड़कियों के लिए अनिवार्य और निःशुल्क शिक्षा योजना चालू कर रही है, यदि हाँ तो कव से और नहीं तो क्यों ?

श्री दारोगा प्रसाद राय— (१) भारतीय संविधान के अनुच्छेद ४५ के अनुसार हरयेक राज्य को १४ वर्ष तक के वच्चे-वच्चियों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा देने का प्रयास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इस बात को दोहराया गया है।

६-११ वर्ष के वालकों अर्थात् ५वें वर्ग तक तथा ६-१४ वर्ष की वालिकाओं अर्थात् ८ वें वर्ग तक निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था है जहाँ तक इसे अनिवार्य वनाने का प्रश्न है अभी तक इसे कानून लागू नहीं किया गया है। आशा की जाती है पंचम पंचवर्षीय योजना के अन्त तक ६-११ वर्ष के सभी वालकों को विद्यालय में प्रवेश करा सकेंगे। तथा ११-१४ वर्ष तक के शत प्रतिशत वालिकाओं को विद्यालयों में प्रवेश कराने में अभी समय लगेगा।

सहायता की रकम का भुगतान

२९८। श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा — क्या प्रभारी मंत्री शिक्षा विभाग, यह वतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह वात सही है कि श्री कोमल राम वल्द श्री रामलखन राम, ग्राम अँकूरी, थाना पालीगंज, जिला पटना, विहार सरकार के पत्र संख्या ४७४६ दिनांक ११ दिसम्वर १९५६ के कंडिका (१) के अनुसार एक राजनैतिक पीड़ित व्यक्ति है।

(२) क्या यह वात सही है कि श्री राम को एक राजनैतिक पीड़ित होने की वजह से उनके पत्र श्री रामकुमार को पढ़ने में सहायता के लिए शिक्षा विभाग के पत्र संख्या ६२५, दिनांक २५ मार्च १९६६ तथा पत्र संख्या १६८२ दिनांक १८ अक्टूवर

१९६७ के अनुसार रुपये की स्वीकृति हुई थी यदि हां तो कितने रुपये की स्वीकृति दी गई थी तथा अबतक इस विद्यार्थी को सहायता का भुगतान क्यों नहीं किया गया है ?

प्रभारी मंत्री, शिक्षा विभाग— (१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) छात्र श्री रामकुमार को इस कार्यालय आदेश संख्या ६२५, दिनांक २५ मार्च १९६६ एवं १६८२, दिनांक १८ अक्तूबर १९६७ द्वारा क्रमशः ८४ रुपये एवं १२० रु० की छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई थी। जिसका भुगतान किया जा चुका है। इन राशियों की प्राप्ति को छात्र के पिता श्री कोमलराम ने दिनांक १८ दिसम्बर १९६९ के अपने पत्र में स्वीकार किया है।

छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में

३०२। श्री राजकुमार पूर्वे— क्या प्रभारी मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि मीना कुमारी, पिता का नाम श्री मोहन लाल (धोबी) पटना शहर के अदालत गंज माध्यमिक विद्यालय में दूसरा वर्ग से छठा वर्ग तक पढ़ती थी जिसे बराबर हरिजन छात्रवृति मिलती रही है;

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त छात्रा को छठे वर्ग को छात्रवृति की रकम १९६८ में नहीं प्राप्त हुई;

(३) क्या यह बात सही है कि १९६८ ई० में मीना कुमारी, पेसर मोहन लाल (धोबी), क्लास तीसरा के नाम से छात्रवृति (उक्त स्कूल के छात्रा के लिये ही) की रकम को भुगतान दिखाया गया है;

(४) क्या यह बात सही है कि १९६८ ई० में तीसरा वर्ग में उक्त नाम और जाति की कोई दूसरी छात्रा इस स्कूल में नहीं थी;

(५) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार उक्त विषय में कौन सी कार्रवाई करने जा रही है ?